तापमान
अधिकतम 27 .0 डिग्री
न्यूनतम 8 . 8 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 25 फरवरी 2025

11 आजीविका मिशन के तहत जिले में 2290 स्वयं सहायता समूहों की 22900 गरीब महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

12 निशान यात्रा में उमड़ा श्याम प्रेमियों का हुजूम ...

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
सुनहरा अवसर
आप सभी के लिए
100 गज का प्लाट मात्र
1 लाख में* लक्की ड्रा के तहत
Website : www.dkrealestate.co.in
Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
9467141575

खबर संक्षेप

जमीन बंटवारे को लेकर पोते ने दादा को पीटा

रेवाड़ी। गांव गोकलगढ़ में दादा लाई जमीन के बंटवारे को लेकर पोते ने अपनी मां व बहन के साथ मिलकर दादा पर हमला कर घायल कर दिया। इतना ही नहीं बीच-बचाव में आए चाचा व भाई पर भी हमला बोल दिया।

सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव गोकलगढ़ के संतलाल ने बताया कि बीती शाम जब वह अपने घर पर था तो उसका पोता कार्तिक, पोती तमन्ना व पुत्रवधू लता दादा लाई जमीन के बंटवारे को लेकर बात करने लगे और हिस्सा मांगा। संतलाल ने कहा कि जल्द ही बंटवारा कर लेंगे, लेकिन वे अभी अभी बंटवारा करने की कहने लगे। विरोध करने पर कार्तिक ने अपनी बहन व मां कि साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे के उसके पुत्र हेमराज व पोत्र लक्ष्यजीत ने बीच-बचाव किया तो उन्होंने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। पड़ोसियों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी समारोह से युवक की बाइक चोरी

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा में एक शादी समारोह से युवक की बाइक चोरी हो गई। धारूहेड़ा सेक्टर-6 थाना पुलिस को दी शिकायत में मूलरूप से ततारपुर खालसा के गौरव यादव ने बताया कि फिलहाल वह अपने परिवार के साथ सेक्टर-6 धारूहेड़ा की एक सोसायटी में रहता है। 21 फरवरी को वह शादी समारोह में गया था तथा बाइक को श्याम गार्डन की पार्किंग में खड़ी कर अंदर चला गया। आधे घंटे बाद जब वह वापस आया तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रॉन्ग साइड आए कार चालक ने युवक को किया घायल

धारूहेड़ा। एक बाइक चालक को रॉन्ग साइड से आई कार के चालक का विरोध करना भारी पड़ गया। कार चालक ने डंडे से उसका सिर पर वार कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। धारूहेड़ा सेक्टर-6 थाना पुलिस को दी शिकायत में मूलरूप से पंजाब के जिला पठानकोट के गांव तबूर के पिंकू कुमार ने बताया कि वह फिलहाल धारूहेड़ा की नाई कॉलोनी में किराये के मकान में रहता है। 21 फरवरी को वह कंपनी से बाइक पर घर लौट रहा था तो अलवर बाइपास पर एक कार चालक रॉन्ग साइड से आ रहा था। जब उसने विरोध किया तो कार चालक ने उसकी बाइक को रूकवा लिया और उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिससे उसे काफी चोंटें आई और वह बेहोश हो गया। पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

डंपर की चपेट में आने से महिला की मौत

रेवाड़ी। रोहतक नेशनल हाइवे पर गुरावडा के पास डंपर की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। गुरावड़ा निवासी गुड्डी किसी काम से घर से बस स्टैंड आई थी। सामान खरीदने के बाद वह पैदल घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक डंपर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची रोहड़ाई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

नए साहब ! अवैध निर्माणों पर सख्त

निशाने पर छोटे निर्माण, बड़ों में हो रहा खेल, कही मार्केट तो कही बन रही बहुमंजिला इमारते

■ जेसीबी का एक्शन शुरू होने के बाद छूट रहे पसीने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीटीपी विभाग के चंद अधिकारियों की शह पर जिले में बड़ी संख्या में अवैध निर्माण होते रहे।

तोड़ने का डर दिखाकर जेब गर्म करने वाले अधिकारियों ने ही कई स्थानों पर बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण करा दिया। नए डीटीपी ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए अब अवैध निर्माण पर जेसीबी चलाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इससे अधिकारियों की जेब गर्म करने के बाद निर्माण करने वाले लोगों को तीसरी मार झेलने का डर सताने लगा है। ऐसे निर्माण तोड़ने का नंबर अब कभी आ सकता है। नांगल मूंदी में रेलवे फाटक के निकट करीब 2 साल पहले प्लॉटिंग करने के बाद एक कमरे का निर्माण कराया गया था। डीटीपी की ओर से इस निर्माण को कुछ समय बाद ही जेसीबी मशीन से जमींदोज कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि छोटे से एरिया में किए निर्माण को तोड़ने के बाद उसी जमीन पर बड़ी मार्केट बनकर तैयार हो गई। सूत्रों के अनुसार एक बार तोड़-फोड़ की कार्रवाई होने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ 'सेटिंग' का खेल खेला गया, जिसके आधार पर संबंधित जमीन पर मनचाहे तरीके से निर्माण करने की छूट दे दी गई। जिस जमीन पर एक कमरे का निर्माण भी अवैध था, उसी जमीन पर कई दुकानों का निर्माण हो गया।

यह अपने आप में नया मामला नहीं है। सूत्रों के अनुसार जिले में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर इसी तरह एक बार तोड़फोड़ करने के बाद निर्माण की छूट गई, जिससे अवैध निर्माण की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। खोरी बस स्टैंड के आसपास भी इसी तरह काफी निर्माण हो चुके हैं। अब डीटीपी की ओर से बडे स्तर पर कार्रवाई शुरू की गई है, तो निर्माण करने वाले लोगों के पसीने छूटने लगे हैं।

रेवाड़ी। नांगल मूंदी में की गई अवैध प्लाटिंग, अवैध रूप से बनाए गए मकान। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। डवाना गांव के राजस्व एरिया में अवैध निर्माण तोड़ती जेसीबी।

अवैध निर्माण नहीं होंगे बर्दाश्त

विभाग की ओर से अवैध निर्माण चिन्हित करने के बाद उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। लोगों को डीलरों के झांसे में आकर अनियमित कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचना चाहिए। अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी।
-राजेंद्र टी शर्मा, डीटीपी।

कॉलोनियां काटने का खेल भी जारी

जानकार सूत्रों के अनुसार इस समय भी एक ओर जहां तोड़फोड़ की कार्रवाई हो रही है, तो दूसरी ओर शहरी के बाहरी एरिया में अवैध प्लॉटिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। चोरों ओर प्लॉटिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। खोरी से लेकर कुंड तक कई जगह कृषि योग्य भूमि पर प्लॉट काटे जा रहे हैं। कुंड के पास तो अरावली की तलहटी में भी प्लॉटिंग हो रही है। सूत्रों के अनुसार विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी भी है, परंतु जेब गर्म करने वाले अधिकारियों ने इस प्लॉटिंग पर पूरी तरह चुप्पी साधी हुई है।

डवाना राजस्व एरिया में चली जेसीबी

डीटीपी की टीम ने सोमवार को डवाना गांव के राजस्व एरिया में अवैध निर्माण तोड़े गए। पुलिस बल की मौजूदगी में डीटीपी की टीम ने इस एरिया में 2 एकड़ में निर्माण ध्वस्त किए। कुछ लोगों ने डीटीपी की इस कार्रवाई का विरोध भी करने का प्रयास किया, परंतु पुलिस बल की मौजूदगी के कारण उनकी एक नहीं चल सकी। वहीं आसपास के लोगों ने दबी जुबान से यह आरोप भी लगाए कि डीटीपी की कार्रवाई में प्रभावशाली लोगों के निर्माण को छुआ तक नहीं जाता। इसकी गाज आम लोगों पर ही गिरती है।

आग लगने से दो कार जलकर राख

रेवाड़ी। जैसलमेर नेशनल हाइवे और शहर के सरकुलर रोड पर आग लगने से दो कारें जलकर राख हो गई। इन हादसों में कार सवार लोग बाल-बाल बच गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। माखरिया निवासी योगेश सोमवार सुबह अपनी स्विफ्ट कार से नारनौल की ओर जा रहा था। उसके साथ कार में दो अन्य लोग भी सवार थे। खोरी फ्लाईओवर के पास कार में अचानक खराबी आ गई। योगेश ने कार से उतरकर बोनट खोला तो इंजन के पास धुआं निकलता दिखाई दिया। उसने तुरंत कार में सवार दोनों लोगों को बाहर निकाला। इसी दौरान कार में आग लग गई। योगेश ने खुद आग पर काबू पाने का प्रयास करते हुए फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। जब तक फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, तब तक गाड़ी जलकर राख को चुकी थी। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर खड़ी आग में जली कार।

वर्कशॉप के सामने जली क्विड कार

रविवार देर रात न्यू आदर्श नगर निवासी नवीन अपनी क्विड कार से शहर के सरकुलर रोड पर जा रहा था। रोडवेज वर्कशॉप के सामने कार के बोनट से धुआं निकलता दिखाई दिया तो उसने कार रोक दी। इसी दौरान कार में आग लग गई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया।

अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए कोसली ने अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव टूमना निवासी सतेन्द्र के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 130 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 23 फरवरी को पुलिस को सूचना मिली कि सतेन्द्र निवासी गांव टूमना गांजा बेचने का धंधा करता है तथा धारूहेड़ा स्थित एयर लिक्विड कंपनी के पास एक चाय का खोखा कर रखा है, जिसकी आड में वह ट्रक चालकों व अन्य लोगों को गांजा बेचता है। पुलिस ने मौके पर रेड करके आरोपी को गांजे सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना धारूहेड़ा में नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

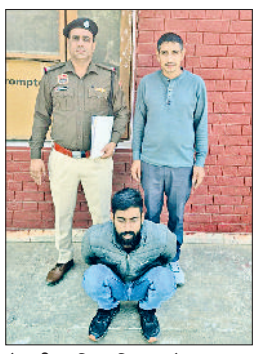

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में गांजा बेचने का आरोपी। फोटो :हरिभूमि

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने के मामले एक और आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने मोहल्ला शुकपुरा निवासी एक व्यक्ति से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने के मामले एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दिल्ली रोहिणी सेक्टर-25 निवासी मुनीष बंसल उर्फ मोनू के रूप में हुई हैं। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी हैं। मोहल्ला शुकपुरा निवासी ईश्वर सिंह इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट देखने के बाद कारोबार के सिलसिले में गत वर्ष मार्च माह में एक ग्रुप में ज्वाइन हो गया था। उसे एक व्हाट्सएप नंबर मिला था, जिससे वह ग्रुप में शामिल हो गया। उसका ग्रुप एडमिन से संवाद होना शुरू हो गया। ठग ने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा कमाने का लालच देते हुए डीमेट अकाउंट खुलवा दिया। इसके बाद उससे बार-बार खातों में पैसे ट्रांसफर कराते हुए 13 लाख 40 हजार 102 रुपये की धोखाधड़ी कर ली। पुलिस ने मामले में फर्जी सिम उपलब्ध कराने के आरोपी विकाश तथा एक खाता होल्डर हरविन्द्र को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ के बाद इस बात का खुलासा हुआ था कि ईश्वर सिंह के खाते से करीब 5 लाख रुपये हरविन्द्र के खाते में गए थे। मुनीष बंसल उर्फ मोनू ने आरोपी हरविन्द्र से खाता लेकर, कमीशन के आधार पर आगे साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी मुनीष बंसल उर्फ मोनू को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी करने वाला आरोपी। फोटो :हरिभूमि

बैठक विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सीएसआर के तहत औद्योगिक इकाइयों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की ली बैठक

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें औद्योगिक इकाईयां

■ सीएसआर में पर्यावरण नैतिक, परोपकारी और वित्तीय जिम्मेदारियां शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शहर के सौंदर्यकरण करने सहित सड़क सुरक्षा, बेसहारा व प्रवासी बच्चों की शिक्षा तथा शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए कॉरपोरेट सेक्टर व सामाजिक संगठनों से सहयोग करने का आह्वान किया है। सोमवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सीएसआर के तहत आयोजित बैठक में विधायक लक्ष्मण सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट कंपनी के प्रतिनिधि शहर के सौंदर्यकरण के पुनीत अभियान में सीएसआर फंड के माध्यम से अपना दायित्व निभाएं। कंपनी के बाहर भी साफ सफाई रखना आपका दायित्व है। उन्होंने कहा कि सीएसआर के तहत जिले में काम कर रहे कंपनी प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करना चाहिए, ताकि जिलावासियों को प्रभावी ढंग से लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सीएसआर में पर्यावरण, नैतिक, परोपकारी और वित्तीय जिम्मेदारियां शामिल हैं। विधायक यादव ने कहा कि शहर में जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक शनिवार को रेवाड़ी सफाई अभियान चलाकर शहर की सड़कों व चौराहों की सफाई की जाती है। विधायक ने कहा कि आने वाले शनिवार को भाड़ावास चौक स्थित रामलीला मैदान में मेगा सफाई अभियान में कंपनी प्रतिनिधि सहभागी बनते हुए शहर का सौंदर्यकरण करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समाज सेवा सर्वोपरि है, जिसका सभी को निर्वहन करना चाहिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सीएसआर सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का सशक्त माध्यम है तथा कॉरपोरेट सेक्टर का इस कार्य में विशेष रूचि लेते हुए आगे आना चाहिए। डीसी ने कंपनी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि बावल स्थित बाल भवन व आस्था कुंज को अपग्रेड करने में सहयोग करें।

रेवाड़ी। कंपनी प्रतिनिधियों की बैठक लेते विधायक व डीसी। फोटो :हरिभूमि

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से श्रमिक की मौत

कुंड। भालखी माजरा के निकट जैसलमेर नेशनल हाइवे पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आकर एक श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। भालखी निवासी 47 वर्षीय अशोक कुमार मेहनत मजदूरी करता था। वह रविवार देर सायं नेशनल हाइवे पार करके अपने घर की ओर आ रहा था। इसी दौरान किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई। बाद में पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

हरिभूमि
सहेली

नन्हे बच्चों के हाथों में मोबाइल होने से वे बहुत कुछ ऐसा देख-सुन रहे हैं, जिससे उनके मन की सुकोमलता-मासूमियत खत्म हो रही है, बचपना छीज रहा है, वे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। इस तरह बच्चों का स्वाभाविक नैसर्गिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे में बच्चों की परवरिश कैसे हो, अभिभावकों को यह समझना बहुत जरूरी है।

गुम होती बचपन की मासूमियत

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

जीवन के सबसे अनमोल पल होते हैं बचपन के। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत और मासूम समय होता है। तभी तो वयस्क होने पर भी हम अपने अंदर के बच्चे को जीवित रखना चाहते हैं, ताकि उसी आनंद का अनुभव कर सकें। लेकिन आज बच्चों का बचपना, उनकी मासूमियत कहीं गुम-सी हो गई है। उनकी सोच और बोल में सयानापन साफ झलकता है।

बदल गया लालन-पालन का तरीका

हर पीढ़ी एक-दूसरे से भिन्न और आगे होती है। एक समय था, जब बड़े-बुजुर्ग छोटे बच्चों को खाना खिलाने के लिए उनके सामने थाली में चावल फैला दिया करते थे। बच्चा अपने तरीके से उसे खाने की कोशिश करता था। थाली के बाहर चावल बिखरे होते थे। वह उन्हें भी चुन-चुन कर खाने का प्रयास करता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। स्मार्टफोन के जमाने में दो से तीन वर्ष के बच्चों के हाथों में भी मोबाइल होता है, जिसे देखते हुए वे

खाना खाते हैं। इतना ही नहीं, खुद माताएं भी स्मार्टफोन में कार्टून या राइम्स लगाकर बच्चों को खाना खिलाती दिखाई दे जाती हैं। फिर चाहे वह घर हो या कोई रेस्तरां। नन्हे-नन्हे नाजुक हाथों में वजनदार मोबाइल फोन अब एक आम बात हो गई है। नतीजा यह हुआ है कि बहुत कम उम्र से बच्चों को मोबाइल फोन देखने की लत लग जाती है। इससे आगे चलकर उनका पूरा व्यक्तित्व प्रभावित होने लगता है।

स्मार्टफोन ने बदला बच्चों का व्यवहार

छह वर्षीय अनिकेत की मां रोशनी को यह समझने में वक्त लगा कि मोबाइल पर वीडियो गेम्स, रील्स आदि की लत के कारण कैसे बेटे का व्यवहार भी क्षण-क्षण बदलता रहता था। जब वह किसी मोबाइल गेम में डूबा रहता था, तो किसी की नहीं सुनता था। पैरेंट्स की हिदायतों को अनसुना करना आम बात हो चुकी थी। परंतु जब वह किसी सामान्य गतिविधि में लिप्त रहता, खेल या ड्राइंग कर रहा होता, तो उसकी बातों और व्यवहार में मासूमियत होती थी। यानी कहीं न कहीं इंटरनेट और सोशल मीडिया से मिलने वाली गैर-जरूरी सूचनाएं, उसके मन-मस्तिष्क पर गहरा असर डाल रही थीं। उसकी बोली में कड़वाहट, गुस्सा और आक्रोश भर रहा था। सहनशक्ति क्या होती है, वह तो उसे मालूम ही नहीं था। रोशनी ने तय किया कि वह बेटे के सामने मोबाइल फोन नहीं देखेगी या कम से कम देखेगी, ताकि उसे कोई गलत संदेश न जाए।

पैरेंट्स को देखकर बनती है आदत

हम सभी जानते हैं कि छोटे बच्चे का मन कच्ची मिट्टी-सा होता है। वे अपने बड़ों और पैरेंट्स को जो भी करते देखते हैं, वैसा ही खुद करने की कोशिश करते हैं। इन दिनों वयस्क किस तरह से मोबाइल फोन की गिरफ्त में हैं, यह सच किसी से छिपा नहीं है। किशोर उम्र बेटे के पिता और फिल्ममेकर अभिजीत सिन्हा कहते हैं, '2010 के आस-पास से बाजार में सस्ते स्मार्टफोन और सेललुर डाटा की उपलब्धता बढ़ती गई। घर-घर में स्मार्टफोन पहुंच गया, बड़ों के साथ बच्चों की दुनिया बदल गई। उनके आपसी रिश्ते बदल गए। संवाद कम हो गया। बच्चे जल्दी

बोर होने लगे और मोबाइल उनका साथी बन गया। ऐसा नहीं है कि उससे पहले बच्चों के पास मनोरंजन के कोई साधन नहीं थे। 80 के दशक में टीवी पर बच्चों को लेकर अनेक शो आते थे, जिनका वे बेसब्री से इंतजार भी करते थे। उन शोज का कंटेंट संस्कार देने वाले और ज्ञानवर्धक होता था। कार्यक्रम बच्चों की उम्र को ध्यान में रख कर तैयार किए जाते थे। उनमें हिंसा, वयस्क थीम की कोई जगह नहीं होती थी। आज इंटरनेट के जमाने में बच्चों के पास हर प्रकार की सामग्री पहुंच जा रही, जो उन पर गलत प्रभाव भी डालती है। वे संवेदनहीन हो रहे हैं।'

शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा छीन रहा बचपन

निजी स्कूल में अंग्रेजी की शिक्षिका अनाइवा की माने, तो छोटे बच्चों की मासूमियत गुम होने का एक और प्रमुख कारण है, शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा। अंकों का दबाव। पहली-दूसरी कक्षा से ही एक प्रतिस्पर्धा सी शुरू हो जाती है। दूसरे बच्चों से तुलना की जाने लगती है। पैरेंट्स ही अपने बच्चों से सवाल करने लगते हैं कि क्लास के अमुक स्टूडेंट ने इतने अच्छे अंक लाए, तो आप क्यों नहीं ला सकते या सकतीं? बच्चों में परीक्षा का डर कुछ ऐसे भर दिया जाता है कि वह खेलना-कूदना या दोस्तों से मिलना-जुलना सब छोड़ देता है। इससे कम आयु में ही व्यक्तित्व में गंभीरता और सयानापन झलकने लगता है। एग्जाम की थोड़ी भी तैयारी कम हुई या टेस्ट में नंबर कम आएं, तो बच्चे इतने अधिक भावुक हो जाते हैं मानो आगे जीवन में करने को कुछ बचा ही न हो। यह सब अभिभावकों और पीयर ग्रुप के दबाव के कारण ही होता है। इससे उनका कोमल मन आहत होता है और वे कुछ कह भी नहीं पाते। मशहूर शायर निदा फाजली कहा करते थे, 'बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो, चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।'

बच्चे को दें मन की करने की आजादी

डॉ.आरती आनंद
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट

21वीं सदी में सब कुछ इतनी जल्दी-जल्दी हो रहा है कि बच्चे खुद ही खुद के अभिभावक बन गए हैं। जो जानकारी अभिभावकों से जाननी चाहिए, वे जानकारी एलेक्सा और सोशल मीडिया से आसानी से मिल जाती है। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चे को बच्चे ही रहने दें। असमय अनावश्यक अपेक्षाएं न पालें। उन्हें खेलने और अपने मन का करने की आजादी दें। अपनी महत्वाकांक्षाओं को कुछ समय किनारे रख, बच्चों के साथ प्यार से बातें करें, समय व्यतीत करें। आज ये सब नहीं हो पा रहा है। एकल परिवारों के पैरेंट्स के पास समय की कमी होती है। यही बच्चों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है और वे छोटी उम्र में बड़े हो जाते हैं।

पति-पत्नी के बीच तकरार-मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन यह लंबे समय तक खींचे, बड़े विवाद को जन्म देकर अलग-अलग होने के रास्ते बनाने लगे तो बात बड़ी चिंता की हो जाती है। जरूरी है पति-पत्नी आपसी संवाद से बढ़ती दरार को पाटें, सामंजस्य बनाएं और मधुरता का समावेश कर, विवाह संबंध को प्रगाढ़ बनाएं।

बढ़ते तलाक के इस दौर में दांपत्य को कैसे बचाए रखें

मैरिड लाइफ
नम्रता नदीम

अपने दांपत्य को बचाए रखने के लिए मैं क्या कर सकती हूं?' शालिनी ने मैरिज काउंसलर से जानना चाहा। वह पैंतीस साल की है, दो बच्चों की मां है, एक बड़ी और नामी कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इस लिहाज से आत्मनिर्भर है। लेकिन अपने वैवाहिक भविष्य को लेकर चिंतित है। बदलते समाज की तस्वीर में जो एक बहुत चिंताजनक स्थिति है, वह यह है कि तलाक की दर में उन समुदायों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है, जिनमें विवाह समझौता (कांट्रैक्ट) नहीं बल्कि ऐसा संस्कार है, जो जन्मों तक कायम रहती है यानी धार्मिक दृष्टि से अटूट है। भले ही विधि ने कुछ शर्तों के साथ तलाक की अनुमति दे रखी है। हालांकि शालिनी की उसी व्यक्ति से शादी हुई है, जिससे वह प्यार करती थी, लेकिन संबंध कब नई करवट ले ले, आज के दौर में कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसलिए शालिनी की चिंता को समझा जा सकता है। अच्छी बात यह है कि शालिनी अपनी शादी को बचाए रखना चाहती है, इसके लिए प्रयासरत है।

जरूरी है समस्या पर करें बात

गौरतलब है कि आत्मीय संबंधों में चिंताओं या समस्याओं पर वार्ता करना आज भी अच्छा नहीं समझा जाता है, लोग संकोच करते हैं या कहें उन्हें इस बात का डर रहता है कि कहीं विवाद और न बढ़ जाए। नतीजतन, जो लोग थोड़ी-सी बातचीत से अपने संबंध सुधार सकते हैं, वे जबरन खामोशी के कारण दुखी, परेशान और तनावग्रस्त रहते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब दो व्यक्तियों में आपस में प्यार होता है तो वह बराबरी के पायदान पर होते हैं। ऐसे में दोनों पार्टनर तय कर सकते हैं कि वह किस तरह से एक-दूसरे को देखें-समझें और व्यवहार करें। दोनों ही अपने संबंध को मिलकर सींचते हैं। यह बहुत जरूरी होता है। अनेक संबंध इसलिए खटाई में पड़ जाते हैं कि एक व्यक्ति को उस तरह से समझा या व्यवहार नहीं किया जाता, जिस तरह से वह चाहता है। ऊपर हम जिस शालिनी की बात कर रहे हैं, उसने यह सब कुछ देखा है। कॉलेज के दिनों में उसका एक दोस्त था, जो उसकी परवाह नहीं करता था। लेकिन शालिनी इस संबंध में इतने लंबे समय तक फंसी रही कि अन्य प्यार भरे विकल्पों को उसने तलाश ही नहीं किया।

संबंध बचाए रखने के तीन आसान रास्ते

विवाह या दांपत्य संबंध को बचाए रखने के लिए तीन बहुत ही आसान रास्ते हैं। अकसर नुकसान लापरवाही से होता है बजाय जान-बूझकर की गई क्रूरता से। इसलिए तीन बातों का ध्यान रखें।

जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें: पहली बात, अपने जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें। याद करें, आप जब अपनी शादी के शुरुआती दिनों में अपने पति

के फोन में 'फेवर्ड' सूची सबसे पहले देखा करती थीं, आपको एक सुख की अनुभूति होती थी कि ऐसी लिस्ट में आपका नाम सबसे पहला होता था। फोन लिस्ट लगभग बेवकूफी का पैमाना प्रतीत हो सकती है, लेकिन अगर आप दोनों अलग-अलग तरह से एक-दूसरे की वरीयता सूची को टॉप पर नहीं रखेंगे, तो इससे एक प्रकार का असंतुलन दिखेगा जो मधुर संबंध के लिए सही नहीं है।

ध्यान देकर सुनें: दूसरा रास्ता है ध्यान दें। जब एक ही पार्टनर ध्यान दे रहा हो तो क्या अनकही बातों को सुना जा सकता है, नहीं। इसलिए सुनें। तारीफ करने के लिए समय निकालें। इससे दोनों पार्टनर खुश रहते हैं।

एक-दूसरे को स्पेस दें: तीसरा और अंतिम रास्ता है कि एक-दूसरे को स्पेस दें। यह हो सकता है कि पार्टनर अब उतना अधिक चिंतित न होता हो, जितना आपकी शुरुआती मुलाकातों में हुआ करता था। इस नई स्थिति में आपकी प्रतिक्रिया बेचैनी या गुस्से वाली नहीं होनी चाहिए बल्कि हालात में, बातचीत में और समझौतों में भावुकता होनी चाहिए। इसका अर्थ होता है कि आप अपने पार्टनर को अच्छी तरह से समझती हैं। यानी, दांपत्य को प्रगाढ़ बनाने के लिए आप दोनों का साझा प्रयास जरूरी है।

घर पर ही करें पेडीक्योर पैर दिखेंगे सॉफ्ट-अट्रैक्टिव

स्किन केयर
नीलोफर

अपने चेहरे को सुंदर बनाए रखने के लिए तो हम कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार अपनी कोहनियों, घुटनों, पैरों की सुंदरता को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि हमारे ओवरऑल लुक में सिर से पैर तक सभी का महत्व होता है। अगर पैरों की देख-भाल के प्रति जरा भी लापरवाही बरतेंगी तो ये भद्दे, रूखे और अनाकर्षक लगते हैं।

करें प्रॉपर केयर: शरीर के हर अंग की सफाई के साथ-साथ पैरों की त्वचा की देखभाल भी बहुत जरूरी है। पैरों की फटी एड़ियां, गंदे नाखून, जगह-जगह से कटे हुए नाखून पैरों के प्रति हमारी लापरवाही को प्रदर्शित करती है, जिसका हमारे व्यक्तित्व पर बुरा असर होता है। हाथों और पैरों की सुंदरता के लिए सैलून जाकर ज्यादा पैसे खर्च करने की बजाय आप घर पर ही मेनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं।

रिमूव करें नेल पॉलिश: पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले नाखूनों को अच्छी तरह काट लें और इन पर लगी हुई नेल पॉलिश को, नेलपॉलिश रिमूवर से साफ कर लें। इसके बाद इस पर फुट क्रीम लगाएं।

मसाज: पैरों की साफ-सफाई के बाद उसकी त्वचा को चमकीला बनाने के लिए मॉयश्चराइजर लेकर पैरों पर हल्की मसाज करें। इसके लिए आप इलेक्ट्रिक फुट मसाजर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। पैरों की मसाज के बाद इसकी चिकनाहट को किसी कॉटन से साफ कर लें।

डेड स्किन हटाएं: नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद पैरों को पानी में भिगोएं। गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक डालकर उसमें थोड़ा शैंपू मिलाएं और कम से कम 10 मिनट पैरों को उसमें भिगोएं। ऐसा करने से नाखूनों के आस-पास की त्वचा नरम हो जाती है। अब पैरों को बाहर निकालकर पोंछ लें और इन्हें अच्छी तरह रगड़कर साफ करें। इससे डेड स्किन निकल जाती है।

नेल्स ट्रिमिंग: अपने नेल्स को अगर आप लंबे रखना चाहती हैं तो उनकी अच्छे से ट्रिमिंग करें। फुट फाइलर की मदद से नाखूनों के किनारों को साफ करें और प्यूमिक स्टोन से अपनी एड़ियों को रगड़कर साफ करें, जिससे डेड स्किन की सफाई हो सके।

नेल पॉलिश लगाएं: पेडीक्योर करने के बाद नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने से पहले एक बेस कोट लगाएं। इसके सूखने के बाद अपनी मनपसंद कलर की नेल पॉलिश लगाएं। जब पहला कोट सूख जाए, तब दूसरा कोट लगाएं। जब दूसरा कोट सूख जाए, उसके बाद नेल पॉलिश को कवरेज देने के लिए एक हल्का कोट लगाएं और इसे भी अच्छी तरह सूखने दें।

आजकल लोग घूमने के लिए एकसाथ ग्रुप टूर पर भी निकलते हैं। इस तरह की जर्नी के पीछे यही उद्देश्य होता है, रुटीन बिजी लाइफ से अलग थोड़ा एंज्वॉयमेंट हो जाए, एक ताजगी महसूस हो। आपका ग्रुप टूर सुहाना रहे, यादगार बने, इसके लिए जरूरी है आप कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

ग्रुप टूर के दौरान याद रखें कुछ एटिकेट्स

सजेशन
पूर्ति खरे

यात्राएं हमें नए अनुभव, ज्ञान और आनंद प्रदान कराती हैं। चूंकि यात्राएं हमें तरोताजा कर देती हैं, रोजमर्रा के कामों से बोर हो रही जिंदगी में उत्साह-उमंग पैदा करती हैं, इसलिए समय-समय पर हमें यात्राएं करते रहना चाहिए, चाहे परिवार के साथ या परिचितों के साथ ग्रुप में। लेकिन किसी भी तरह की यात्रा के दौरान खासतौर से ग्रुप टूर में हमें कुछ एटिकेट्स यानी शिष्टाचार का पालन जरूर करना चाहिए। यदि हम सफर के दौरान नीचे बताए गए कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो हम अपना ही नहीं, अपने साथी यात्रियों का सफर भी सुहाना बना देंगे। यदि आप भी अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों या दोस्तों के साथ टूर की तैयारी कर रही हैं तो इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें-

घर जैसा व्यवहार न करें: जब हम ग्रुप में लंबी जर्नी कर रहे होते हैं, तो जगह-जगह होटल, धर्मशाला या लॉज में रुकते हैं। याद रखें, साथ रुकने वाले लोग आपके घर के सदस्य नहीं हैं, इसलिए इनके साथ एकदम घर जैसा व्यवहार करने से बचना चाहिए। हमें दूसरों के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना चाहिए। सामान्य शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। दूसरों के साथ कमरा साझा करने से पहले उनकी अनुमति जरूर ले लेनी चाहिए।

साफ-सफाई का ख्याल रखें: ग्रुप टूर के दौरान हमें अपने आस-पास की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। हमें कूड़ा-कचरा सही जगह पर फेंकना चाहिए, दूसरों के साथ कोई खाने की चीज साझा करने से पहले अपने हाथ जरूर धो लेने चाहिए।

दूसरों का सम्मान करें: कभी-कभी ग्रुप टूर के दौरान हमारे साथ दूसरी संस्कृति, परंपरा और भाषा के लोग होते हैं। हमें सबसे प्रेम से पेश आना चाहिए, उनका सम्मान करना चाहिए। हमें दूसरों के साथ बातचीत करते हुए उनकी जरूरतों को पूरा करने का भी हर संभव प्रयास करना चाहिए।

खान-पान का ध्यान रखें: यात्रा के दौरान हमें अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। हमें स्वच्छ-स्वस्थ भोजन करना चाहिए। दूसरों के साथ भोजन साझा करने से पहले यह जान लेना चाहिए कि वे ऐसा चाहते भी हैं या नहीं? हमें साथ में खाना खाते समय शिष्टता का पूरा ध्यान रखना चाहिए। अकेले में खामोशी से नहीं, एक-दूसरे से बातचीत करते हुए लंच या डिनर करना चाहिए।

अपने सामान का खुद रखें ध्यान: ग्रुप टूर के समय साथ में बहुत से लोग होते हैं, ऐसे में हमें अपने सामान का ध्यान रखना चाहिए, उसे सुरक्षित रखना चाहिए। साथ ही हमें दूसरे जगह पर निकलने से पहले अपने सामान को सही तरीके से पैक करना चाहिए। यात्रा के दौरान साथी यात्रियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

किसी भी सहयात्री को न हो परेशानी: ग्रुप टूर करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आपके कारण किसी को कोई तकलीफ-परेशानी नहीं हो। आप शिष्टाचार का पालन करके, सबके साथ अपना स्नेह-प्रेम भरा व्यवहार करके अपनी जर्नी को सुखद और यादगार बना सकती हैं। यात्रा के दौरान हमें अपने अनुभवों को साझा करना चाहिए, दूसरों के साथ अच्छे रिश्ते बनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे आपकी यात्रा मीठी यादों से भर उठेगी।

महिलाओं में पीसीओडी समस्या हार्मोनल डिसऑर्डर की वजह से होती है। ऐसा किन वजहों से होता है, पीसीओडी के मुख्य लक्षण क्या हैं, इससे बचाव और उपचार के तरीके के बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल से बढ़ती है पीसीओडी की प्रॉब्लम

मेडिकल एडवाइस
डॉ. श्वेता मेंदिरत्ता
एचओडी-ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी
मैरिंगो एशिया अस्पताल, एनसीआर

पीसीओडी की प्रॉब्लम को पॉलीसिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर कहते हैं। यह एक हार्मोनल डिसऑर्डर है। यह प्रॉब्लम 15 से 45 साल की उम्र तक की महिलाओं में किसी भी उम्र में हो सकती है। लेकिन जब प्यूबर्टी के बाद मेनार्की स्टेज यानी जब उन्हें पीरियड्स शुरू होते हैं, उस समय ज्यादा देखने को मिलता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में तकरीबन 20-25 प्रतिशत महिलाओं को पीसीओडी की प्रॉब्लम है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब महिलाओं के शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं तो पीसीओडी की प्रॉब्लम देखने को मिलती है। कहने का मतलब है कि उनके शरीर में फीमेल हार्मोंस एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के बजाय मेल हार्मोंस टेस्टोस्टेरोन और एंड्रोजन का लेवल बढ़ जाता है। इससे उनकी ओवरी से हर महीने रिलीज होने वाले अंडे की प्रक्रिया गड़बड़ा जाती है। पूरी तरह मैच्योर न होने के कारण अंडे का ओवोल्यूशन नहीं हो पाता। इससे महिला का पीरियड साइकल अनियमित हो जाता है। अपरिपक्व अंडे ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट के रूप में बदल

जाते हैं, जिसकी वजह से महिला को कई तरह की प्रॉब्लम्स फेस करनी पड़ती हैं।

पीसीओडी के प्रमुख लक्षण: पीसीओडी को आप कुछ लक्षणों से पहचान सकती हैं, जैसे- पीरियड्स समय पर न आना, चेहरे पर अनचाहे बाल आना, सिर के बाल झड़ना, पिंपल्स होना, वजन बढ़ना और मूड स्विंग होना। आगे चलकर महिला में एनोव्यूलेशन की प्रॉब्लम हो सकती है, जिससे गर्भधारण में समस्या या इंफर्टिलिटी का खतरा भी हो सकता है। यहां बताए गए लक्षण दिखने पर आपको जल्द से जल्द स्त्री रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

पीसीओडी होने के कारण:
- अनियमित दिनचर्या, समय पर खाना न खाना, देर से सोना।
- रेग्युलर एक्सरसाइज न करना।
- जंक फूड या प्रोसेस्ड फूड, ऑयली डाइट का ज्यादा सेवन।
- रूटीन लाइफ में स्ट्रेस में रहना।

ऐसे होता है डायग्नोज: आमतौर पर महिला के फिजिकल चेकअप से ही डॉक्टर पीसीओडी को डायग्नोज कर लेते हैं। ओवरी सिस्ट की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड और हार्मोन लेवल का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट किए जाते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: पीसीओडी की समस्या को बढ़ने से रोकने के लिए मुख्य रूप से

प्रिवेंटिव केयर स्ट्रेटजी यानी लाइफस्टाइल में बदलाव पर जोर दिया जाता है। महिला को सख्ती से हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने, संतुलित-पोषक आहार का सेवन करने और वजन कंट्रोल करने की हिदायत दी जाती है। मरीज की स्थिति के हिसाब से नॉन-हार्मोनल दवाइयां दी जाती हैं, सुधार न आने पर हार्मोनल दवाइयों का कोर्स भी दिया जाता है।

बचाव है संभव: इन बातों पर करें अमल-
- पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित और सुपाचय आहार लें, जिसमें कार्बोहाइड्रेट और वसा के अलावा पर्याप्त मात्रा में फाइबर, विटामिंस और प्रोटीन हो।
- रिफाइंड खाद्य पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड जूस जैसी हाई शुगर ड्रिंक्स, ऑयली, प्रोसेस्ड और जंक फूड को खाने से बचें।
- फल, सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मल्टीग्रेन और सूखे मेवों को आहार में शामिल करें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में प्रमिला रही प्रथम

रेवाड़ी। चेन्नई में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जिला रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम की खिलाड़ी प्रमिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। खिलाडी को खेल विभाग के उपनिदेशक गौरव सोलंकी ने बधाई दी। ममता देवी जिला खेल अधिकारी तथा समस्त प्रशिक्षकों व कार्यालय स्टाफ ने खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

लिसान में महाशिवरात्रि पर शतरंज प्रतियोगित

नाहड़। गांव लिसान में महाशिवरात्रि पर्व पर टाइगर शतरंज क्लब की ओर से जोहड़ स्थित माता शीतला देवी मंदिर में ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी एवं क्लब प्रधान ब्रह्म प्रकाश खोला ने बताया कि प्रतियोगिता 26 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे से प्रारंभ होगी। प्रथम विजेता खिलाड़ी को 1100 तथा द्वितीय स्थान पर आने वाल प्रतिभागी को 500 का नकद ईनाम दिया जाएगा। लगातार 3 साल तक प्रथम रहने वाले खिलाड़ी को ट्रॉफी दी जाएगी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कैंटन की व्यवस्था, स्वच्छता व खाद्य गुणवत्ता का जायजा लिया

जिले में 2290 स्वयंसहायता समूहों की 22900 गरीब महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

- स्थापित किए जाने वाले सांझा बाजार के लिए चयनित स्थलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार ने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले सांझा बाजार के लिए चयनित नशा मुक्ति केंद्र व पुराना जिला परिषद भवन का निरीक्षण किया। यह स्थल मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत सांझा बाजार के लिए चयनित किए गए हैं। डीसी अभिषेक मीणा की ओर से बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में चयनित स्थलों का जायजा लिया गया। ये स्थल हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत बने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को न्यूनतम 100 रुपये प्रति दिन के हिसाब से उत्पादों कि प्रर्दशनी एवं बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार ने अटल मजदूर कैंटीन अनाज मंडी, व जिला कोर्ट के पास अंत्योदय आहार कैंटीन एवं हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चलाई जा रही कैंटीन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया की कैंटीन के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को मात्र 10 रुपये में खाना खिलाया जा रहा है। उन्होंने कैंटन की व्यवस्था, स्वच्छता तथा खाद्य गुणवत्ता का भी जायजा लिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अधिकारियों को कैंटीन में जरूरतमंदों को और बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश भी दिए। आजीविका मिशन के अन्तर्गत जिले में कुल 2290 स्वयं सहायता समूह बनाकर 22900 गरीब महिलाओं को जोड़ा गया है। इसका मकसद गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। जिले में अब तक 1995 समूहों को कुल 2 करोड 56 लाख रुपये कि रिवॉल्विंग फंड की राशी दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त योग्य स्वयं सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से उचित ब्याज दरों पर लोन दिला कर के उनको स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाता है। अब तक कुल 63 करोड़ से ज्यादा का ऋण हरियाणा राज्य आजिविका मिशन के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों को वितरित किया जा चुका है। जिले में आजीविका मिशन के अन्तर्गत जुड़े समूहों की ऋण वापसी दर भी सराहनीय है। आजीविका मिशन गरीब महिलाओं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कारगार साबित हो रही है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का आह्वान किया, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक आफताब अहमद भी मौजूद थे।

रेवाड़ी। कैंटीन का निरीक्षण करते कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। प्रदर्शनी में अपना मॉडल दिखाते विद्यार्थी व मौजूद शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

छात्रों ने प्रदर्शनी में अनेक विषयों के मॉडल्स का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

नंगली परसापुर रोड बावल स्थित हिंदू पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्कूल चेयरमैन सिंहराम महलावत ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर चेयरमैन ने कहा कि विज्ञान का मनुष्य जीवन में अधिक महत्त्व हैं। इस प्रकार की प्रदर्शनी से बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती हैं। इस अवसर पर बार एसोसिएशन से प्रवीन यादव, नितिन कौशिक, प्रीतम ढिल्लन, स्वयंबर जाट, शुभम बागोरिया, अधिवक्ता पुनीत महलावत, सुनीता ढिल्लन, सरिता बावलिया, जयमल यादव व मास्टर अमर सिंह सहित आस-पास के गावों के सरपंच और गणमान्य लोग मौजूद थे। प्रदर्शनी में पहली से बारहवीं कक्षा तक के बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। बच्चों ने मानव शरीर, मैथमेटिक्स, बांध, भूगोल, नदियों, पहाड़ों व कृषि के विभिन्न मॉडलों का प्रदर्शन किया। हिमांशु जाटव, विपिन, ईशा और रविंद्र ने रासायनिक प्रयोग, अर्जुन और हर्ष ने गणित व भूगोल, अनु कुमारी, सुनील व अमन ने सुरक्षित प्रकृति बिजली उत्पादन तथा अंजलि, वैशाली, प्रवीण, दिव्या, नेहा, मोनिका, प्रिंस, लक्ष्य, आदित्य, रुपेश व अभिषेक ने वाणिज्य से सम्बंधित मॉडल प्रस्तुत किए।

वैदिक आश्रम में मनाई महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली रोड स्थित वैदिक आश्रम में वेद प्रचार मंडल और सभी आर्यसमाज शाखाओं के तत्वावधान में महर्षि दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती मनाई गई। आर्य समाज सेक्टर-3 के प्रधान पूर्व जिला न्यायवादी बुद्ध देव आर्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आर्य समाज सेक्टर-3 की प्रवक्ता सरोज यादव ने बताया कि उत्सव में दूर-दराज से आर्य समाजी भजन उपदेशकों और संत-महात्माओं ने महर्षि दयानन्द के विचारों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन रामकिशन शास्त्री ने किया। सायंकालीन सत्र की अध्यक्षता देशराज आर्य ने की। इस अवसर पर पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास ने युवाओं में बढ़ रही नशा प्रवृति और संस्कारहीनता पर चिंता व्यक्त करते हुए वरिष्ठजनों से युवाओं को संस्कारित करने का आह्वान किया। पूर्व विशेष न्यायधीश इन्द्र सिंह बोहरा ने स्वस्थ जीवन के लिए योग के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर स्वामी यशदेव, स्वामी समर्पणानन्द, स्वामी सुधानन्द योगी, आचार्य संतराम रोहतक, स्वामी आनन्द देव, आर्य समाज सब्जीमंडी प्रधान रामतीर्थ, आर्यसमाज मोती चौक प्रधान करतार सिंह, जसवंतसिंह आर्य, गोसेवक जयसिंह, डा.कंवर सिंह यादव, राव मित्रसेन, उत्तम सिंह जेलदार, एसडीओ फूलसिंह यादव, प्रिंसिपल सुमेर सिंह यादव, याशकानन्द आर्य, अधिवक्ता शंकर सिंह यादव, प्रभु दयाल सैनी, अर्चना यादव, सुनीता शर्मा, विजय नारायण, दयाराम आर्य, पुरुषोत्तम शर्मा व अधिवक्ता रणजीत सिंह यादव उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद आर्य समाज व संगठनों के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। विजेता छात्राएं कॉलेज स्टाफ के साथ। फोटो :हरिभूमि

गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज को राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में मिले दो पुरस्कार

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में दो पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ जोन के तहत हुई विज्ञान प्रदर्शनी में महाविद्यालय के सात विभागों के मॉडल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ था, जिन्हें राजकीय महाविद्यालय करनाल में आयोजित राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भेजा गया था, जिसमें फिजिक्स के मॉडल को राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। कॉलेज की बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा खुशबू यादव व मनीषा यादव ने 5जी नेटवर्किंग पर अपना मॉडल तैयार किया था। इसके अलावा बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा पारुल को केमिस्ट्री के मॉडल के लिए सर्वश्रेष्ठ वक्ता का अवार्ड दिया गया है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डा. कविता सैनी, सत्येंद्र सिंह, सुनील तोबड़िया, डा. जयश्री, डा. योगेश, डा. ज्योति, डा. मोनिका, वंदना, मंजू, अनुपमा, पूनम, मनीषा, प्रकृति, मौसम, अमित कुमार, वर्षा, दीपिका, रीना व नीरू ने विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए ग्रुप ए व ग्रुप बी में भी 27 % आरक्षण की मांग

- सरकारी नौकरियों में इस वर्ग के बैकलॉग को भी प्राथमिकता के आधार पर विशेष भर्ती योजना बनाकर भरा जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की मासिक बैठक प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जसवंत सिंह यादव ने सभा के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्रधान रामबीर यादव ने सभी सदस्यों से सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए कुछ प्रस्ताव भी रखे।

उन्होंने कहा कि मंडल कमीशन की घोषणा के अनुसार हरियाणा में भी सरकारी नौकरियों में ग्रुप-ए और ग्रुप-बी में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर केंद्र की तर्ज पर 27 प्रतिशत दिया जाए तथा सरकारी नौकरियों में इस वर्ग के बैकलॉग को भी प्राथमिकता के आधार पर विशेष भर्ती योजना बनाकर भरा जाए। हरियाणा में कौशल रोजगार निगम द्वारा की जाने वाली भर्तियों में भी अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए, जिसमें अब तक कोई आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने दोनो प्रस्तावों पर अपनी सहमति जताई और दोनों प्रस्तावों को मुख्यमंत्री, सभी लोकल विधायक व मंत्रियों के पास भेजने का भी फैसला लिया।

बैठक में सभा के संरक्षक बाबू जगजीत सिंह, सभा के जनरल सेक्रेटरी प्रोफेसर सतीश यादव, डा. आई एस खैरवाल, डा. यशपाल, पी एस यादव, सुरेंद्र सिंह, अमर सिंह, जगत सिंह, रामअवतार, समय सिंह, विजयपाल, अनिल कुमार, लोकेश, इन्द्रजीत व बिक्रम मौजूद थे।

रेवाड़ी। बैठक में अपने प्रस्ताव रखते हुए सभा के प्रधान। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। स्पेल बी के जिला स्तरीय विजेताओं के साथ स्टाफ सचिव एवं प्रभारी।

स्पेल बी प्रतियोगिता में रहा सीहा स्कूल का दबदबा

रेवाड़ी। जिला स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता में सीहा स्कूल के विद्यार्थियों ने कविता लेखन, कहानी लेखन तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता में परचम लहराया है। विद्यालय के प्रतियोगिता प्रभारी हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह ने बताया कि सीनियर वर्ग में छात्रा अंशु यादव ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं जूनियर वर्ग में कविता लेखन में दीपिका तथा कहानी लेखन में चंचल ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करके विद्यालय व खंड का गौरव बढ़ाया है। इससे पहले खंड स्तर पर विद्यालय की टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया ने सभी प्रतिभागियों, विजेता विद्यार्थियों तथा प्रभारियों को बधाई देते हुए हिंदी साहित्य की सभी विधाओं में निरंतर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्राओं की इतिहास सोसायटी का गठन

- रीजनल सेंटर में ज्ञानवर्धक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर में सोमवार को इतिहास विभाग की ओर से छठवीं सदी ईसा पूर्व में विषमतम संप्रदायों के उदय और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया गया। सत्र में डा. निताशा जून द्रोणाचार्य कॉलेज गुरुग्राम ने छात्राओं को ऐतिहासिक ज्ञान और अकादमिक सफलता का मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में छात्राओं की इतिहास सोसायटी का गठन किया गया, जो शैक्षिक आदान-प्रदान, संगोष्ठियों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को पाठ्यक्रम के बाहर इतिहास से जुड़ने का मंच प्रदान करेगी। कार्यक्रम रीजनल सेंटर के मुख्य विभागाध्यक्ष डा. अनिल कुमार की देखरेख में किया गया। सेंटर के निदेशक प्रो. बलबीर सिंह ने छात्राओं को अपनी शैक्षिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डा. यशपाल शर्मा, डा. अंजलि यादव, डा. प्रवेश कुमारी, नीलम, पूजा, सोनिया, डा. राकेश, युद्धवीर, ज्योति यादव, सनीता यादव, निर्मला, सुशीला, मधुबाला, अंजू, वीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। छात्राओं को जानकारी देती डा . निताशा व कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। स्कूल में श्रमदान करते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्कूल में चलाया सफाई अभियान

डहीना। विवेकानन्द पीजी महाविद्यालय डहीना के सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन स्वंयसेवकों ने विवेकानंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सफाई अभियान चलाया। विद्यालय निदेशक सुधीर यादव ने पौधारोपण कर शिविर के चौथे दिन की शुरूआत की और विद्यार्थियों को समय के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी ज्योति मुद्गिल ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी। विद्यालय के शिक्षकों ने भी स्वंयसेवकों के साथ श्रमदान किया। इस अवसर पर विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य पवन कुमार, स्टॉफ मेम्बर ज्योति यादव, मेनपाल, सरिता यादव, प्रियंका यादव, समता व सेफी यादव उपस्थित थे।

श्याम भक्तों ने हुडिया जैतपुर धाम तक निकाली पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को श्याम प्रेमियों ने 17वीं श्याम बाबा मासिक पदयात्रा का शुभारंभ श्याम बाबा की आरती करके किया। श्याम यात्रा हरिओम अग्रसेन अस्पताल से हरी नगर, खोरी, गोविंदपुरी, पाली व कुंड होते हुए हुड़िया जैतपुर श्री श्याम बाबा के धाम पर पहुंची। यात्रा के संयोजक समाजसेवी एमपी गोयल, सत्य प्रकाश गौतम अध्यक्ष भगवान परशुराम शिक्षा समिति, लक्ष्मी नारायण शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष सेवा भारती, तेजभान कुकरेजा उपाध्यक्ष, सावल राम यादव व्यवस्थापक पदयात्रा, राजकुमार यादव व्यवस्थापक, अजय शर्मा एडवोकेट, कमलेश गुप्ता घासीराम यादव, नौबाहर गौतम, निर्मला देवी व राधा देवी ने निशान यात्रा का संचालन किया। यात्रा में धर्म संस्कृति को बढ़ावा देने,समाज में भाईचारा, युवाओं को नशे से मुक्त करने, पर्यावरण के लिए जागरूकता व नारी स्वावलंबन का संदेश दिया गया।

रेवाड़ी। श्याम बाबा की पैदल यात्रा करते श्याम भक्त। फोटो :हरिभूमि

बुनियाद परीक्षा में सिरसा घोघड़ा के छात्रों ने पाई सफलता, दिखाया दम

- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ाना मिशन बुनियाद का मुख्य उद्देश्य : पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव सिरसा घोघड़ा स्थित वीर शहीद महिपाल राजकीय माध्यमिक विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने बुनियाद लेवल-2 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय की मुख्याध्यापिका पूनम टुटेजा सहित समस्त स्टाफ ने विजयी छात्रों को सम्मानित कर उनकी मेहनत की सराहना की। मुख्याध्यापिका टुटेजा ने बताया कि उपलब्धि के पीछे विज्ञान अध्यापक सचिन वर्मा का अहम योगदान रहा है, उनकी मेहनत एवं मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप विद्यालय के विद्यार्थियों ने ये सफलता हासिल की है। उन्होंने विशेष रूप से छात्रा अनिशा व नेहा का जिक्र किया, जिन्होंने बुनियाद लेवल-2 परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि मिशन बुनियाद की शुरुआत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को जेईई व एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाने के उद्देश्य से की गई है, ताकि कोई भी योग्य विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए। विद्यालय में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है और समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने विजयी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

भिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

सूचना

मैं, सुभाष चन्द्र पुत्र श्री रघबीर सिंह निवासी लिलोढ तहसील कोसली जिला रेवाड़ी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र राहुल व मेरी पुत्रवधु उषा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

हर्ष यादव ने भूगोल विषय में नेट पास किया

हर्ष यादव

रेवाड़ी। राजकीय माध्यमिक विद्यालय भड़ंगी में कार्यरत शिक्षक एवं गांव नयागांव बहाला निवासी महेंद्र सिंह के सुपुत्र हर्ष यादव ने भूगोल विषय में यूजीसी नेट परीक्षा पास कर क्षेत्र व अपने परिवार का नाम रोशन किया है। हर्ष यादव की इस उपलब्धि पर दादा महीपाल यादव, प्रवक्ता राजपाल यादव, रामौतार पंच, अभय सिंह पूर्व सरपंच, राजेश प्रधान, रामकिशन यादव, सतपाल पहलवान, बिल्लू चेयरमैन एवं शिक्षाविदों व अधिकारियों ने खुशी जताई है।

प्रिया ने कॉमर्स विषय में नेट किया क्वालीफाई

प्रिया

नाहड़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झाड़ौदा लिपिक प्रिया पुत्री प्रवीण कुमार ने वाणिज्य विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यानि नेट उत्तीर्ण कर अपने गांव सुमाखेड़ा व परिवार का नाम रोशन किया है। शिक्षाविदों व ग्रामीणों ने इस उपलब्धि पर प्रिया को बधाई दी है। प्रिया ने अपनी सफलता का श्रेय दादी रामगिरी, ताऊ विद्यानंद, माता प्रेमलता, ससुर प्रवीण कुमार व पति कन्हैया कुमार को दिया है। प्रिया ने दूसरे प्रयास में नेट उत्तीर्ण किया है।

रेवाड़ी। निशान यात्रा को रवाना करते हुए मुख्यातिथि व ग्रुप के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। निशान यात्रा में श्याम भजनों पर डांस करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। निशान यात्रा में शामिल उज्जेन की ढप पार्टी। फोटो : हरिभूमि

श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से 1 मार्च को अनाजमंडी स्थित किसान भवन में जागरण का आयोजन

निशान यात्रा में उमड़ा श्याम प्रेमियों का हुजूम
लख दातार के जयकारों से गुंजायमान हुआ शहर

- जागरण से पूर्व श्रद्धालुओं ने शहर में निकाली गई निशान यात्रा का जगह-जगह हुआ पुष्प वर्षा से स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

श्री श्याम श्रृंगार सेवा गुरप की ओर से एक मार्च को आयोजित होने वाले 'बाबो मारे हेलो, आयो फागण मेलो' फाल्गुन महोत्सव व विशाल जागरण से पूर्व सोमवार को खाटू श्याम के जयकारों के साथ शहर में भव्य श्री श्याम निशान यात्रा निकाली गई।

नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर से शुरू हुई निशान यात्रा को मुख्यातिथि प्रकाशचंद गुप्ता मायण वाले व मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान श्यामप्रेमियों के खाटू नरेश की जय, श्याम बाबा की जय, हारे के सहारे की जय व तीन बाणधारी की जय के जयघोष से शहर गुंजायमान हो गया। निशान यात्रा में हजारों की संख्या में श्याम प्रेमियों ने भाग लिया। निशान यात्रा में चरत अग्रवाल, रवि भट्ठेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, मनीष सचदेवा, राजेश अग्रवाल, अचल गुप्ता, सुभाष सोनी, पंडित नवीन भारद्वाज, दीपेश भार्गव, राजेन्द्र सिंहल, रिपुदमन गुप्ता, रजनी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, आरती जैन, हिना, अंजू, नंदिनी, कविता व मीनाक्षी सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

रेवाड़ी। शहर में श्याम निशान यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु फोटो : हरिभूमि

किसान भवन में एक मार्च को होगा जागरण : श्री श्याम श्रृंगार सेवा गुप की ओर से एक मार्च को अनाजमंडी स्थित किसान भवन में श्याम बाबा के विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में चंडीगढ़ से कन्हैया मित्तल, कोलकाता से संजू शर्मा, सोनभद्रा से संजीव शर्मा व गोकलगढ़ से संजय शर्मा मनमोहक भजनों से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। जागरण में भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। जागरण में बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर रोहतक के महंत व तिजारा के विधायक बाबा बालकनाथ का सानिध्य रहेगा, जबकि मुख्यातिथि रामा देवी गोयल डिनको परिवार रहेंगी।

मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु सिंह व नगर पार्षद राजेन्द्र सिंह की उपस्थिति रहेगी। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पिस्ता अग्रवाल धर्मपत्नी स्व.परसराम अग्रवाल, बृजलाल गोयल कोसली वाले, प्रदीप बोहरा उप चेयरमैन ब्लॉक समिति व एडवोकेट धीरज यादव शिरकत करेंगे। जागरण में बाबा की ज्योत आरडीएस गर्ल्स कॉलेज के प्रधान मुकेश भट्टेवाले करेंगे तथा रामकिशन भालखी वाले, विनयशील गोयल कोसली वाले, डॉ पवन गुप्ता वेदांता अस्पताल, हरिओम यादव व भगवान दास सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिले होंगे।

निशान यात्रा का पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

निशान यात्रा में करीब दो हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल थे। अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर से शुरू हुई निशान यात्रा अग्रसेन चौक, भाड़ावास गेट, पुरानी सब्जी मंडी, मोती चौक, गोकल गेट, केवल बाजार से ठठेरा चौक, पुरानी अनाज मंडी, घंटेश्वर महादेव मंदिर, जीवली बाजार, कानोड़ गेट, नाईवाली चौक व अग्रसेन चौक होते हुए अनाज मंडी सम्पन्न हुई। निशान यात्रा में शहनाई, बैंड, ढप पार्टी व ढोल-नगाड़े शामिल थे। श्यामप्रेमियों की ओर से निशान यात्रा का बाजार में जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। निशान यात्रा में श्री श्याम बाबा की मनमोहक झांकी भी शामिल रही।

समाधान शिविर में मौके पर बनाई बुजुर्ग की वृद्धावस्था पेंशन

रेवाड़ी। समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते डीसी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याश दिए। समाधान शिविर में अधिकतर मामलों का मौके पर निपटारा किया गया। शेष शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का त्वरित निपटारा करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन का हर संभव प्रयास रहता है कि समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत का मौके पर समाधान किया जाए। डीसी अभिषेक मीणा के निर्देश पर बूढ़पुर निवासी नाहर सिंह की वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन बनाने की कार्यवाही मौके पर की गई। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, दिव्यांग पेंशन व बुढ़ापा पेंशन से संबंधित शिकायतें आई। इस दौरान सीटीएम प्रीति रावत व एसडीएम सुरेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपमंडल स्तर पर स्कूल वाहनों की सुरक्षा जांच कार्य संपन्न

रेवाड़ी। सोमवार को स्कूल बसों की जांच करती टीम। फोटो : हरिभूमि

नाहड़। उपमंडल अधिकारी नागरिक कोसली विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन व खंड शिक्षा अधिकारी नाहड़ राजेंद्र शर्मा के नेतृत्व वाली टीम ने 6 फरवरी से सुरक्षा वाहन पॉलिसी के अनुसार स्कूल वाहनों की जांच की। टीम ने सोमवार को जांच कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस अभियान के दौरान टीम ने 39 निजी विद्यालयों की कुल 265 बसों की जांच की। जांची गई। कमियां पाए जाने पर मौके पर ही चालान किया गया। टीम का नेतृत्व कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि समस्त विद्यालयों को सुरक्षा वाहन पॉलिसी के समस्त नियमों से अवगत करा दिया गया है। सभी स्कूलों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली बसों की सूची कार्यालय को प्राप्त हो गई है। इसके अतिरिक्त यदि अन्य वाहनों का प्रयोग किया जाता है तो शिक्षण संस्था अध्यक्ष के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। टीम में आरटीए विभाग के रवि कुमार, शिक्षा विभाग से बाल योगेश्वर प्रवक्ता इतिहास, सतीश कुमार प्रवक्ता व हरिओम शर्मा शामिल थे।

दो दुकानों से नकदी चोरी करने के मामले में एक और आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चोरी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। भाडावास गेट चौकी पुलिस ने सूरज मेडिकल स्टोर के पास दो दुकानों से नकदी चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला गाजियाबाद के निठोडा रोड निवासी सरिफ अहमद के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। भाड़ावास रोड निवासी सुरेश कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसकी किरयाने की दुकान है। गत 21-22 जनवरी की रात्री को उसकी तथा उसके पड़ोसी मुकेश कुमार महाजन की दुकान की छत तोड़कर कर गल्ले से नकदी चोरी हो गई थी। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक आरोपी मोहम्मद सायम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी यूपी के जिला गाजियाबाद के निठोडा रोड निवासी सरिफ अहमद को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस लाइन में सफाई करते जवान। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एसपी डा. मयंक गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस के जवानों ने सोमवार को साफ सफाई का विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस के जवानों ने अपने कार्यस्थल को स्वच्छ बनाए रखने के लिए थाना, चौकियों व पुलिस लाइन में श्रमदान किया। सफाई अभियान में महिला पुलिस कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुलिस के जवानों ने पुलिस लाइन के मैदान व पार्क के अलावा सभी थाना व चौकी से कचरे को साफ किया। एसपी डा. मयंक गुप्ता ने कहा कि सभी को अपने आस-पास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। श्रमदान स्वेच्छा से जुड़ा हुआ कार्य है, जिसमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को तन मन से भाग लेना चाहिए। वातावरण का सीधा असर हमारी मानसिक व शारीरिक स्थिति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। इसलिए प्रत्येक दिन सबसे पहले अपने आस पास की सफाई करें। एसपी ने कहा कि श्रमदान प्रत्येक नागरिक के मन में सरलता, विचारों की जटिलता से मुक्ति और स्वच्छता तथा हरित पर्यावरण के महत्व को विकसित करता है। श्रमदान में समाज सेवा, वृक्षारोपण और अपने आस-पास के वातावरण की सफाई भी शामिल है।

श्रमदान विकास और विकास के लिए प्रयासरत कई लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

अहिल्या देवी होल्कर की त्रिशताब्दी पर प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लोकमाता पुण्यश्लोका अहिल्या देवी होल्कर की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव के अवसर पर 26 फरवरी को एक भव्य प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 3 बजे केएलपी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संघ के जिला प्रचार प्रमुख योगेश, कार्यक्रम के संयोजक डॉ आरबी यादव, सह संयोजक संजय डाटा और सह संयोजिका सीए निधि गौतम ने बताया कि सम्मेलन में अहिल्या देवी होल्कर के जीवन और आदर्शों पर आधारित एक लघु नाटिका और चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम को लेकर प्रेस वार्ता करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

मौजूद रहे

सम्मेलन में अनेक प्रतिष्ठित और सम्मानित हस्तियां उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय पैरालंपिक समिति की पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री दीपा मलिक करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में डा. आंचल जैन सीईओ, पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड शिरकत करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि एडीसी अनुपमा अंजलि, भारतीय महिला मुक्केबाज स्वीटी बूरा और प्रगतिशील किसान बनारसी देवी रहेंगी। इनके अलावा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक डा. सुरेंद्रपाल भी मौजूद रहेंगे। सभी अतिथि लोकमाता अहिल्या देवी होल्कर के जीवन, उनके संघर्ष और समाज में उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों पर अपने विचार साझा करेंगे।

रेवाड़ी। विजेता टीमों को सम्मानित करते अतिथि व समिति के पदाधिकारी।

बलिदानी की स्मृति में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, खेड़ी सोनीपत बना विजेता

कोसली। गांव रतथनथल में बलिदानी प्रदीप सिंह चौहान की 23वीं पुण्यतिथि पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोसली के विधायक अनिल यादव, बावल के विधायक कृष्ण कुमार,भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव, एसडीएम विजय कुमार यादव व उद्योगपति महावीर गोयल ने बलिदानी प्रदीप कुमार चौहान को श्रद्धांजलि दी। हरियाणा स्टाइल सर्किल कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से आई 12 टीमों ने भाग लिया।

देर सायं तक चली प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबला गद्दी खेड़ी सोनीपत एवं मोखरा रोहतक की टीम के बीच रहा। कबड्डी की प्रथम विजेता गद्दी खेड़ी की टीम को 41 हजार रुपए और द्वितीय विजेता मोखरा रोहतक की टीम को 31 हजार रुपए की नकद राशि और ट्राफी पुरस्कार में प्रदान की गई। 71 सौ रुपए का तृतीय पुरस्कार सेमीफाइनल खेलने वाली कन्होरा व रतनथल की टीम को संयुक्त रूप से दिया गया। इस मौके पर शहीद प्रदीप सिंह चौहान मेमोरियल समिति के प्रधान दलसिंह चौहान, सरपंच सुभाष चौहान, सरपंच धर्मेंद्र चौहान, पूर्व सरपंच महिपाल, रतनपाल चौहान यशवंत चौहान, ब्लॉक समिति सदस्य राजेश कुमार व समिति सदस्य नरेश राठौर सहित ग्रामीण मौजूद थे।

कार्यक्रम गांव गोलियाका में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह आयोजित

- जिले के करीब 69 हजार 375 किसानों के बैंक खातों में डाली गई किसान सम्मान निधि की राशि

फसल पैदा करने के साथ-साथ प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर भी ध्यान दें किसान : राव नरबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने किसानों से गेहूं व सरसों जैसी पारंपरिक खेती के स्थान पर नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया है। इसी प्रकार से खेती में रसायनों व कीटनाशकों के स्थान पर जैविक पद्धति आधारित प्राकृतिक खेती करें। कैबिनेट मंत्री सोमवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर गांव गोलियाका में आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में शिरकत कर रहे थे। इस अवसर पर बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। पीएम ने बटन दबाकर किसान सम्मान निधि की किस्त डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर के जरिए देशभर के किसानों के खाते में भेजी। 19वीं किस्त के रूप में रेवाड़ी जिले के लगभग 69 हजार 375 किसानों के बैंक खातों में किसान सम्मान निधि की राशि डाली गई। जिले के किसानों को अब तक 211 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में किसानों को सम्मानित करते राव नरबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि किसान फसल पैदा करने के साथ-साथ एमएसएमई व स्टार्टअप के माध्यम से प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर भी ध्यान दें। कैबिनेट मंत्री ने फसल पैदा करने में नवीनतम तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों को लाभ पहुंचाने के इरादे से शुरू की गई किसान सम्मान निधि योजना को आज 6 साल पूरे हो गए हैं। पीएम-किसान योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में अभी तक लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। पिछले 10 वर्षों में सरकार के प्रयासों के कारण कृषि क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हुआ है। लाखों छोटे किसानों को वित्तीय मदद मिलने से उनकी बाजार तक पहुंच बढ़ी है। हरियाणा सरकार ने हाल ही में किसानों के बैंक खातों में 368 करोड़ रुपये की बोनस राशि जारी की थी। खरीफ-2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण राज्य में उत्पादित की जा रही कृषि एवं बागवानी फसलों पर 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला किया। अब तक कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी जा चुकी है। किसानों के खेतों से गुजरने वाली हाई टेंशन बिजली की लाइनों के लिए मुआवजा नीति बनाई गई है। इसके तहत किसान को टावर एरिया की जमीन के लिए मार्केट रेट का 200 प्रतिशत मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। लाइन के नीचे की भूमि के लिए भी किसानों को मार्केट रेट का 30 प्रतिशत मुआवजे का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हरियाणा में इंडस्ट्री डिपार्टमेंट द्वारा किसानों की जमीन अधिग्रहण के मामले में जल्द ही एक नई नीति प्रस्तुत की जाएगी, जिसके तहत किसानों को हिस्सेदार बनाते हुए उन्हें एक एकड़ में 1200 गज जगह दिए जाने का प्रावधान रखा जाएगा। पॉलिसी को अगले महीने प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 10 से 12 क्लस्टर बनाए जाने हैं यदि रेवाड़ी में 1000 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाए तो यहां पर भी एक टॉउनशिप स्थापित की जा सकती है, जिससे कि यहां विकास के नए रास्ते खुलेंगे। इस अवसर पर डीसी अभिषेक मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, एसडीओ दीपक कुमार व डीआईओ सचिन शर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कोसली: बिना दहेज शादी कर समाज को दिया अच्छा संदेश

कोसली। वर्तमान में समाज में विवाह-शादियों के दौरान दहेज प्रथा का चलन जोर-शोर से चल रहा है। वहीं कोसली के शिक्षित युवक सत्येन्द्र ने लगन समारोह शगुन में एक रुपया लेकर समाज में नई मिसाल कायम की। गांव बलावा कलां जिला महेंद्रगढ़ निवासी तमन्ना की सगाई सत्येन्द्र के साथ तय हुई। दोनों की शादी भी हो चुकी है। लगन समारोह के आयोजन में गांव बलावा कलां निवासी कुणाल सिंह ने वर पक्ष की सहमति पर एक रुपया तथा नारियल भेंट स्वरूप दिया। गांव कोसली निवासी सज्जन सिंह ने कहा कि समाज में दहेज प्रथा एक बहुत बड़ा अभिशाप है, जिसके बोझ के तले लड़की पक्ष बुरी तरह से दबता है। इस दहेज प्रथा को जड़-मूल से खत्म करने के लिए समाज के सभी वर्ग के लोगों को आगे आना चाहिए। सत्येन्द्र ने बताया कि उनके परिवार ने पहले से ही बिना दहेज शादी करने का निर्णय लिया हुआ था। सत्येन्द्र ने युवा वर्ग से अपील की है कि इस दहेज प्रथा को जड़-मूल से खत्म करने की मुहिम में शामिल हो, जिससे एक अच्छा रिश्ता कायम हो सके। ऐसे रिश्तों से सभ्य समाज का निर्माण होता है। सीपीएलओ दयावान ने सत्येन्द्र एवं तमन्ना को बधाई दी।

रेवाड़ी। सत्येन्द्र व तमन्ना का वरमाला का दृश्य। फोटो : हरिभूमि